फरीदाबाद
मजदूर समाचार

अनुभवों तथा विचारों के आदान-प्रदान के जरियों में एक जरिया

व्हाट्सएप के जरिये भी अपनी बातें हम तक पहुँचा कर चर्चा का दायरा बढायें। मजदूर समाचार फोन पर पायें और अपने ग्रुपों में भेज कर आदान-प्रदान बढायें। हमारे इस नम्बर पर व्हाट्सएप मैसेज भेजें : 9643246782

नई सीरीज नम्बर 365 नवम्बर 2018

दिमाग में एक बार दृश्यों को टकराओ और फिर देखो

कल आ नहीं पाया। सॉरी। हमारे यहाँ सब ने मिल कर काम बन्द कर दिया था। माहौल अच्छा था।

आपकी कन्सट्रक्शन साइट पर ?

हाँ। हमने अक्टूबर के शुरू में भी दो दिन काम बन्द किया था। ऐसे चलते रहेगा। तेजी पकड़ेगा। देखते हैं। मामला पेचीदा है।

कुछ हल निकल रहा है क्या ? कुछ पेंच ढीले हो रहे हैं ?

कुछ-कुछ समय के लिये ऐसे काम बन्द करना चलते रहना चाहिये। और यह फैल जाये तो एक माहौल बनेगा। एक-दूसरे के साथ सम्वाद में कुछ जोश महसूस होगा। एक लड़ी का सिलसिला चलते रहना चाहिये।

आज यहाँ। कल वहाँ। परसों उस तरफ। तरसों उस तरफ। चौतरफा लड़ी।

कुछ घण्टे वहाँ। कुछ घण्टे यहाँ। एक दिन वहाँ। दो दिन वहाँ।

एक गाना रच रहे हैं। बहुत लोग शामिल हैं कल्पना में।

ऐसे कुछ होता रहता है। हर वक्त। मैं तो सिर्फ कह रही हूँ कि महसूस करो इस जोश को। और एक-दूसरे को शब्द और सन्देश दो।

आपके तो बहुत बड़ी कन्सट्रक्शन साइट है। हजारों में इतनी लय बहुत अच्छी लगी। दूसरे कार्यस्थलों पर भी ऐसी ही लय और ताल हैं। मुझे लगता है कि एक लय दूसरी लय को धीमे पुकारती है।

माना। माना। ज्यादा हिसाब भँवर है, जिसमें कैसे सोचा, क्या बातचीत हुई, कैसे आँका, कैसे साथी बढे, जुड़े, और साथ रहे यह गुम जाता है। खाली रह जाती है नतीजे की भाषा।

माना। माना। नतीजा और हताशा। एक-दूसरे का पीछा करते रहते हैं। और यह अनुभव की गहराई को खाई बना देते हैं।

हाँ। माना। एक दृश्य सोचो। हजारों कार्यस्थल। हर जगह उतार-चढाव। हर जगह काम कभी बन्द। कभी चुप्पी। कभी मैनेजमेन्ट छोड़ कर चली जाती है। काम बन्द कर नाच-गाना। इस परिदृश्य में कहाँ निराशा ? और नतीजा कैसे मापें ?

हमारे जो साथी कोयला खदानों में बड़े हुये हैं वो एक दृश्य बताते हैं। चारों तरफ एक आग की ताप महसूस होती है। अण्डरग्राउण्ड एक आग जलती रहती है।

अद्भुत। मेरे पड़ोसी पहाड़ से हैं। बहुत बढिया मीट पकाते हैं। वो एक दृश्य बहुत सुन्दर बताते हैं। छोटे-छोटे झरने बारिश के समय मिल जाते हैं। लगता है पहाड़ को गिरा डालेंगे। बहुत भय भी होता है। लेकिन एक अद्भुत खुशी भी। महसूस होता है कि खुद झरना हैं।

निराशा ? नतीजा कैसे मापेंगे यहाँ ? दिमाग में एक बार दृश्य तो बदलो फिर देखो।

मुझे लगता है कि दिमाग में दृश्य होते हैं। आप सब को यह सोचना चाहिये कि कौनसे दृश्य सामने आ जाते हैं ? मेरा कहना है कि दृश्य लड़ाई में हैं। हम सब दृश्यों की लड़ाई के अन्दर रहते हैं।

हाँ। दृश्य बहुत बड़ी सतह को सामने लाते हैं। और तरह-तरह की फोर्स को चिन्हित करते हैं। मुख्य समस्या जो मुझे लगती है वो यह है कि मनुष्य एक-दूसरे को फोर्स में नहीं देख पाते।

मेरे ख्याल से एक-दूसरे में फोर्स की पहचान तो है। नकारात्मक फोर्स तो खूब दीखती है। बचाव की पूरी कोशिश करते हैं। परन्तु रचनात्मक फोर्स, नये मूल्य बनाने की जो फोर्स है उसको बहुत सीमित और धीमी देखते हैं।

एक उपाय है। नायक, नालायक, और खलनायक का बहिष्कार करें। और दृश्य में जो अनगिनत चिन्गारी, बहस, बुद्धि, गति, क्रियायें हैं उन्हें सोखें।

और दूसरे दृश्य जो इनको ओझल करते हैं उनका क्या करें ?

वो समोसे हैं। तलिये।

मजदूर लाइब्रेरी, आटोपिन झुग्गी, एन. आई. टी. फरीदाबाद - 121001 (यह जगह बाटा चौक और मुजेसर के बीच गंदे नाले की बगल में है।)

क्या करें देते ही नहीं..... लेना होता है

✶ परमानेन्ट मजदूर, कम्पनी रोल पर कैजुअल वरकर, ठेकेदार कम्पनी के जरिये रखे मजदूर : बोनस कानून अनुसार सब मजदूरों का बोनस बनता है। सफाई कर्मी हो, ड्राइवर हो, माली हो, चाहे कैन्टीन वरकर हो, बोनस बनता है। ✶ कम्पनी घाटा दिखाती है तब भी बोनस में एक महीने की तनखा और मुनाफा दिखाने पर बोनस में ढाई महीने की तनखा तक।

फरीदाबाद में **ओरियन्ट फैन** फैक्ट्री में 40-50 परमानेन्ट मजदूर, 50-60 कम्पनी रोल पर कैजुअल वरकर, और ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे 800-900 मजदूर। ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे वरकरों को बोनस नहीं देते थे। दिवाली के समय 2014 में एक दिन टी-ब्रेक के बाद ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे मजदूर फैक्ट्री में पार्क में बैठे रहे। सब असेम्बली लाइनें बन्द। मैनेजमेन्ट हड़बड़ाई। बोनस देने लगी। पिछले वर्ष दिवाली से एक दिन पहले तक खातों में बोनस नहीं भेजा तो मजदूर काम बन्द कर एकत्र होने लगे। तत्काल खातों में बोनस भेजा। इस वर्ष दिवाली से 6 दिन पहले ही बोनस राशि ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे मजदूरों के बैंक खातों में भेज दी गई।

काम और सिर्फ काम का ही रिश्ता मजदूरों तथा कम्पनियों के बीच होता है। यह उत्पादन को प्रभावित करने की मजदूरों की क्षमता है जो कि दैनिक तौर पर मैनेजमेन्टों को नाथती है। इसलिये जहाँ बोनस दिया ही नहीं अथवा जहाँ एक महीने की तनखा वाला घाटे वाला बोनस दिया वहाँ कम्पनियों की नकेल कसना बनता है। और, फैक्ट्रियों में प्रोडक्शन में टेम्परेरी वरकरों की निर्णायक भूमिका इन मजदूरों को बहुत ताकत देती है।

✶ फरीदाबाद में सैक्टर-28 स्थित गारमेन्ट्स फैक्ट्री **शाही एक्सपोर्ट्स** में मजदूरों ने बोनस में ढाई महीने की तनखा, 24 हजार रुपये से ज्यादा राशि ली। चन्द वर्ष पहले कम्पनी के चेयरमैन के चीन गये होने की आड़ में मैनेजमेन्ट ने बोनस में आनाकानी की तब वरकरों ने काम बन्द कर दिया था। पिछले वर्ष भी शाही एक्सपोर्ट मजदूरों ने बोनस में ढाई महीने की तनखा ली थी।

✶ **हिन्दुस्तान मेडिकल डिवाइसेज एण्ड सिरिंज** कम्पनी की फरीदाबाद में 174-178 सैक्टर-25 और सैक्टर-59 स्थित फैक्ट्रियों में मजदूरों ने ढाई महीने की तनखा बोनस में ली। पिछले वर्ष भी इन वरकरों ने 20 प्रतिशत बोनस लिया था।

✶ फरीदाबाद में 19/6 मथुरा रोड़ स्थित **यामाहा मोटर** फैक्ट्री में इस वर्ष परमानेन्ट मजदूरों ने बोनस में 21,000 रुपये और टेम्परेरी वरकरों ने 16,000 रुपये लिये। पिछले वर्ष परमानेन्ट को बोनस में 16 हजार और टेम्परेरी को 10 हजार रुपये दिये गये थे।

✶ गुड़गाँव में उद्योग विहार फेज-2 में प्लॉट 340-41-42 स्थित **इन्टरफेस माइक्रोसिस्टम्स** फैक्ट्री में पिछले वर्ष दिवाली के समय टेम्परेरी वरकरों में हलचल हुई थी लेकिन कम्पनी ने उन्हें बोनस नहीं दिया। इस वर्ष दिवाली से पहले ही इन्टरफेस मैनेजमेन्ट ने टेम्परेरी वरकरों को बोनस देने की घोषणा कर दी थी।

✶ फरीदाबाद में **लखानी फुटवीयर** की प्लॉट 266 सैक्टर-24 फैक्ट्री में मजदूरों ने बोनस में 20 हजार रुपये लिये लेकिन कम्पनी ने प्लॉट 130 सैक्टर-24 फैक्ट्री वरकरों को बोनस में एक महीने की तनखा दी।

✶ ऋचा और गौरव समूह की फैक्ट्रियों में घाटे कर बोनस, एक महीने की तनखा दी। लेकिन गुड़गाँव में उद्योग विहार फेज-3 प्लॉट 389 स्थित **ऋचा एण्ड कम्पनी** में इस वर्ष 31 मार्च तक तीन-चार महीने ड्युटी कर चुके मजदूरों ने बोनस लिया।

✶ गुड़गाँव और आई एम टी मानेसर स्थित **मारुति सुजुकी** फैक्ट्रियों में परमानेन्ट मजदूरों को बोनस में 24,800 रुपये और टेम्परेरी वरकरों को 8000 से 12,400 रुपये। मारुति सुजुकी कम्पनी भारी मुनाफा दिखाती है लेकिन मजदूरों को घाटे का बोनस देती है।

✶ आई एम टी मानेसर में प्लॉट 31 सैक्टर-3 स्थित **एन एच के स्प्रिंग्स** फैक्ट्री में 95 परमानेन्ट मजदूरों को बोनस में ढाई महीने की तनखा। लेकिन तीन ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे 400 वरकरों को बोनस नहीं।

✶ फरीदाबाद में **वीनस कारपोरेशन** की फैक्ट्रियों में परमानेन्ट मजदूरों को बोनस 21,000 रुपये और ठेकेदार कम्पनी के जरिये रखे वरकरों को 8000 रुपये। छह महीने में ब्रेक वाले कैजुअल वरकरों को बोनस नहीं।

बोनस में एक महीने की तनखा, घाटे का बोनस :

आई एम टी मानेसर में **सत्यम ऑटो** (26 सी सैक्टर-3); **हाई लैक्स** (55 सैक्टर-3, 236 सैक्टर-6, 398 सैक्टर-8); **जे बी एम** (मारुति सुजुकी परिसर के अन्दर, सैक्टर-8); **सिग्मा** (16 सैक्टर-3, 149-151 सैक्टर-5); **हुबर सुहनर** (125 सैक्टर-8) जबकि दो वर्ष में एक से चार फैक्ट्री हो गई हैं। दिवाली से 15 दिन पहले 300 मजदूरों का ब्रेक कर दिया और इधर 29 अक्टूबर को 20 वरकर को बाहर कर दिया; **होण्डा** (सैक्टर-3) में परमानेन्ट मजदूरों को बोनस 24,000 रुपये और टेम्परेरी को 7900-8670 रुपये। एक वर्ष से काम कर रहे 400-500 मजदूरों दिवाली से पहले निकाल दिया। कुछ को डिब्बा और कुछ को नहीं। उनकी जगह अप्रेन्टिसों को लगा दिया; **एस डी बायोसैन्सर** (सैक्टर-8); **डेस्टिनी क्रियेशन्स**.....

फरीदाबाद में **नटराज इन्डस्ट्रीज** (65 सैक्टर-6); **शोवा** (सैक्टर-58); **एस डी ऑटो** (सैक्टर-25); **जे सी बी** (सैक्टर-58); **नोरदर्न इण्डिया ट्रेडिंग कम्पनी**; **ट्रु साइन इलेक्ट्रोनिक्स** (बी-17/2 ओखला फेज-2, दिल्ली) दो वर्ष से वार्षिक वेतन वृद्धि नहीं।

इन्द्रप्रस्थ गैस लिमिटेड के सी एन जी पम्पों पर काम करते वरकरों का पिछले वर्ष बोनस 10.33 प्रतिशत था। लेकिन इस साल 8.33 प्रतिशत कर दिया।

ओप्पो मोबाइल फोन फैक्ट्री, सुरजपुर, ग्रेटर नोएडा फैक्ट्री में बोनस में 3000 रुपये दिये।

बोनस ही नहीं

राजस्थान में जयपुर के सीतापुरा इन्डस्ट्रीयल एरिया स्थित **अमन इन्टरप्राइजेज।**

नोएडा में सी-47 सैक्टर-88 स्थित **रमन इन्टरप्राइजेज।**

आई एम टी मानेसर में **नपीनो ऑटो** (7 सैक्टर-3) में सात ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे मजदूरों को; **गैलेक्सी** (262 सैक्टर-6) में ठेकेदार कम्पनी के जरिये रखे वरकरों को; **मशीनो प्लास्ट** (128-9 सैक्टर-4); **सन्धार** (24-25 सैक्टर-3) फैक्ट्री में 10 परमानेन्ट मजदूरों को बोनस और तीन ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे 300 वरकरों को नहीं; **एडवान्स रबड़ टैक्नोलोजी** (50 सैक्टर-5); **मार्क एग्जास्ट** (101 सैक्टर-8) जबकि कम्पनी के फस्ट और सैकेण्ड प्लान्टों के मजदूर बोनस लेते हैं; **ए जी इन्डस्ट्रीज** (8 सैक्टर-3) फैक्ट्री में 150 परमानेन्ट मजदूरों की 8-8 घण्टे की तीन शिफ्ट और बोनस 15 से 20 हजार रुपये। ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे 600 वरकरों की 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट और बोनस नहीं; **लिवप्यूर वाटरप्यूरिफायर** (39 सैक्टर-4); **समिक एक्सपोर्ट** (104-105 सैक्टर-5); **एन टी एफ** (149 सैक्टर-3);

फरीदाबाद में **के आर रबराइट** फैक्ट्रियाँ (सैक्टर-6); **एवन कोटिंग** (326 सैक्टर-58); **विकास फोरजिंग** (173 सैक्टर-24); **एस जे टी एम स्टील** (101-106 एस एम आई ई, 20/2 मथुरा रोड़) फैक्ट्री में बोनस के नाम पर 1100 रुपये; **ला मेड** (सैक्टर-24); **इकोकेट** (मथुरा रोड़);

(बाकी पेज तीन पर)

अनुभव इण्डो ऑटोटेक

फरीदाबाद में कम्पनी का मुख्यालय है। आई एम टी मानेसर में प्लॉट 132-33 सैक्टर-8 में स्थापित फैक्ट्री में 2009 में उत्पादन आरम्भ हुआ। कम्पनी रोल पर मजदूर रखे गये। बैंक खाते, पी एफ, ई एस आई में नियोक्ता इण्डो ऑटोटेक। यह 2014 तक रहा। मैनेजमेन्ट ने 2015 में अधिकतर मजदूरों को एक ठेकेदार कम्पनी के खाते में कर दिया। फिर ठेकेदार कम्पनियों के नाम बदले जाने लगे। इस सिलसिले में सवेतन और कैजुअल छुट्टियाँ समाप्त कर दी। सहायता के फेर में इण्डो वरकर एक यूनियन के पास गये। उसने रजिस्ट्रेशन के लिये 200 परमानेन्ट मजदूरों और 500 ओम इन्टरप्राइजेज तथा 500 वी के इनटरप्राइजेज के वरकरों के नाम श्रम विभाग को मई 2017 में दिये। जिन परमानेन्ट मजदूरों के नाम यूनियन की फाइल में थे उन्हें मैनेजमेन्ट बेंगलुरु के लिये ट्रान्सफर लैटर देने लगी। यूनियन के कहने पर पत्र नहीं लिये। तब मैनेजमेन्ट ने फैक्ट्री के मेन लोग जो यूनियन लिस्ट में थे उनकी 27 जून को फैक्ट्री में नो इन्ट्री कर दी। बाकी वरकरों की ठेकेदार कम्पनियों का ठेका रद्द कर दिया। नई ठेकेदार कम्पनी न्यू ज्वाइनिंग करने लगी। ऐसे में लगभग 700 मजदूर 11 जुलाई 2017 को फैक्ट्री के बाहर हो गये। गुड़गाँव में तारीखों के बाद अब चण्डीगढ में तारीखें पड़ रही हैं। फैक्ट्री में उत्पादन जारी है।

और बातें यह भी

✶**ऋचा ग्लोबल** (215 उद्योग विहार फेज-1, गुड़गाँव) फैक्ट्री में जून माह में एक ठेकेदार कम्पनी के जरिये हाउसकीपिंग में 6 वरकर रखे थे। महीना पूरा होने पर ठेका खत्म कर दिया। अक्टूबर-अन्त तक भी मजदूरों को तनखा नहीं दी। एच आर वाले बोलते रहे हैं कि ठेकेदार देगा और ठेकेदार कहता रहा है कि ऋचा कम्पनी देगी। इधर इन वरकरों ने ईमेल द्वारा अपनी बातें हरियाणा के मुख्य मन्त्री और श्रम आयुक्त को भेजी हैं।

✶**नपीनो ऑटो एण्ड इलेक्ट्रोनिक्स** (7 सैक्टर-3, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में जून में 25 दिन काम करके बता कर शादी में गया। लौटने पर ड्युटी पर नहीं लिया। पैसों की पूछने पर ठेकेदार कम्पनी वाले बोले कि भेज देंगे। फिर बोले कि बैंक खाते में भेज दिये हैं। नहीं भेजे थे। बोले चार दिन रुको। फोन करने पर फोन उठाना बन्द कर दिया। नपीनो एच आर वालों से कहने पर वो बोलते हैं कि ठेकेदार कम्पनी से बात करो। जून के पैसे अक्टूबर-अन्त तक नहीं मिले हैं।

✶ओडिशा का रहने वाला हूँ। काम करने तमिल नाडु गया। चेन्नै में ऑटो पार्ट्स बनाती **हवाशिन** फैक्ट्री में लगा। एक ठेकेदार कम्पनी के जरिये रखा गया था। छोड़ने पर 1 महीना 12 दिन के पैसे नहीं दिये। ओडिशा लौट आया। उस फैक्ट्री में काम कर रहे दोस्त के जरिये हवाशिन कम्पनी का ईमेल पता प्राप्त किया। ठेकेदार कम्पनी द्वारा पैसे नहीं देने पर ईमेल द्वारा हवाशिन मैनेजमेन्ट से पैसे माँगे हैं। उत्तर नहीं। ईमेल से रिमाइन्डर भेजा है।

✶**बालाजी अल्युमिनियम** (नोरर्दन कॉम्पलैक्स, 20/3 मथुरा रोड़, फरीदाबाद) फैक्ट्री में स्टाफ के 10-12 लोग ही परमानेन्ट हैं। एक ठेकेदार कम्पनी के जरिये 5-7 मजदूर रखे हैं। एक वर्ष से ज्यादा समय से काम कर रहे 300 को कैजुअल वरकर कहते हैं। इन 300 में 10-15 की ही ई एस आई तथा पी एफ हैं। दो शिफ्ट हैं 12-12 घण्टे की, ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। बोनस किसी को नहीं। कन्टेनरों में आते कबाड़ से अल्युमिनियम की सिल्लियाँ बनाते हैं।

बोनस नहीं ....(पेज दो का शेष)
एस्कोर्ट्स (219 सैक्टर-58) में ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे वरकर; **कोल्ड फोर्ज** (181 सैक्टर-24) फैक्ट्री में बोनस के नाम पर 500-700-1100 रुपये ; **श्याम टैक्स** (38 सैक्टर-58) ; **इम्पीरियल ऑटो इन्डस्ट्रीज** की फैक्ट्रियों में ; **निधी ऑटो** (10 सैक्टर-24) ; **रजत वायर** (262 जे सैक्टर-24) में ठेकेदार कम्पनी के जरिये रखे मजूदर; **विंग्स ऑटो** (39 सैक्टर-6) ; **सनातन ऑटोप्लास्ट** (61/8 इन्डस्ट्रीयल एरिया) ; **साई स्टील** (30 बी सैक्टर-5) फैक्ट्री में बोनस 1000 रुपये ; **हरियाणा ग्लोबल**

साझेदारी

✶आई एम टी मानेसर, उद्योग विहार गुड़गाँव, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, नोएडा, फरीदाबाद में मजदूर समाचार का वितरण हर महीने होता है।

✶ मजदूर समाचार के वितरण के दौरान फुरसत से बातचीत मुश्किल रहती है। इसलिये मिलने-बातचीत के लिये पहले ही सूचना देने का सिलसिला आरम्भ किया है। चाहें तो अपनी बातें लिख कर ला सकते हैं, चाहें तो समय निकाल कर बात कर सकते हैं, चाहें तो दोनों कर सकते हैं।

– मंगलवार, 4 दिसम्बर को सुबह 6 बजे से 9½ तक आई एम टी मानेसर में सैक्टर-3 में बिजली सब-स्टेशन के पास मिलेंगे। खोह गाँव की तरफ से आई एम टी में प्रवेश करते ही यह स्थान है। जे एन एस फैक्ट्री पर कट वाला रोड़ वहाँ गया है।

– उद्योग विहार, गुड़गाँव में फेज -1 में पीर बाबा रोड़ पर वोडाफोन बिल्डिंग के पास सोमवार, 3 दिसम्बर को सुबह 7 से 10 बजे तक बातचीत के लिये रहेंगे। यह जगह पेड़ के नीचे चाय की दुकान के सामने है।

– बुधवार, 5 दिसम्बर को सुबह 7 से 10 बजे तक चर्चा के लिये ओखला-सरिता विहार रेलवे क्रॉसिंग (साइडिंग) पर उपलब्ध रहेंगे।

✶ फरीदाबाद में नवम्बर में हर रविवार को मिलेंगे। सुबह 10 से देर साँय तक अपनी सुविधा अनुसार आप आ सकते हैं। फरीदाबाद में बाटा चौक से थर्मल पावर हाउस होते हुए रास्ता है। ऑटोपिन झुग्गियाँ पाँच-सात मिनट की पैदल दूरी पर हैं।

फोन तथा व्हाट्सएप के लिये नम्बर : 9643246782
ई-मेल < majdoorsamachartalmel@gmail.com >

मजदूर समाचार में योगदान

- ✶ अपने कदम और अपने साथियों के कदमों की जानकारियाँ सामुहिक करें।
- ✶ चर्चाओं में योगदान के लिये बाँटने वालों से प्रतियाँ ले जायें।
- ✶ फुर्सत मिले तो किसी भी रविवार को मजदूर लाइब्रेरी में आ कर विस्तार से जीवन चर्चा करें।
- ✶ आर्थिक सहयोग का मन हो तो जरूर दें। ज्यादा से ज्यादा छपने की क्षमता वाद-विवाद को फैलायेगी। इस योगदान में कोई भी राशि कम नहीं है।
- ✶ व्हाट्सएप पर खुल कर मैसेज भेजिये, हम जम कर पढ रहे हैं और बातों को फैला रहे हैं।
- ✶ आज मजदूर समाचार के पाठक अखबार में कविता, फलसफा, दर्शन, साहित्य और ज्ञान-चर्चा के विभिन्न रूप का आनन्द ले रहे हैं। आनन्द को उल्लास में बदलिये।

दुखद लेकिन कुछ सोच के लिये भी है इसमें

गुड़गाँव में पुलिस के एक सिपाही ने जज की पत्नी और बेटे की तनाव में हत्या कर दी। ड्युटी के बाहर अधिकारी के परिवार को शॉपिंग आदि करवाना स्वयं में अपने साथ सिपाहियों के लिये बहुत परेशानियाँ और अपमानजनक स्थितियाँ लिये होता है।

सरकारी काम के लिये कुछ पदों को गाड़ियाँ मिलती हैं ड्राइवर के साथ। और उनमें से भी कुछ चुने हुये पदों को परसनल सेक्युरिटी मिलती है। भुगतान सरकारी खजाने से होता है।

बहुत दुखद है कि जज की पत्नी और बेटे की हत्या के सन्दर्भ में किसी को यह नहीं सूझा कि परिवार की शॉपिंग सिपाही कैसे करवा रहा था।

सूचना

मजदूर समाचार के कई पाठक बहुत सारी प्रतियाँ स्वयं बाँटने के लिये लेते हैं। इससे वितरण नई-नई जगहों और सन्दर्भों में हो रहा है। आप हम से मिल कर अथवा व्हाट्सएप या फोन द्वारा सम्पर्क कर वितरण के लिये मजदूर समाचार की प्रतियाँ जरूर लें।

अनगिनत चिन्गारी

✶आई एम टी मानेसर में **किरण उद्योग** (प्लॉट 14 तथा 32 सैक्टर-3 और प्लॉट 28 सैक्टर-4) फैक्ट्रियों में पिछले वर्ष दिवाली के समय पैसे की दिक्कत बता कर मैनेजमेन्ट ने बोनस मार्च में देने की कही थी। इस वर्ष मार्च में पैसे नहीं दिये। मजदूरों ने काम बन्द कर दिया। एच आर वाले भागे आये और बोले कि अप्रैल में दे देंगे। अप्रैल में नहीं दिये और वरकरों ने उत्पादन रोक दिया। फिर एच आर वाले भागे आये और बोले कि मई में दे देंगे। नहीं दिये। मई में प्रोडक्शन रोकने पर फिर एच आर वाले भागे आये और बोले कि जून में दे देंगे। जून में पैसे नहीं। मजदूरों ने काम बन्द कर दिया। भागे-भागे आये एच आर वाले बोले कि बोनस के पैसे जुलाई में दे देंगे। नहीं दिये। वरकरों द्वारा उत्पादन रोकने पर भागे-भागे आये एच आर वाले बोले कि पैसे अगस्त में दे देंगे। नहीं दिये। प्रोडक्शन रोकने पर भागे आये और बोले कि सितम्बर में दे देंगे। पैसे नहीं दिये। मजदूरों द्वारा काम बन्द करने पर भागे-भागे आये एच आर वाले बोले कि बोनस वाले पैसे अक्टूबर में दे देंगे। किरण उद्योग की फैक्ट्रियों में 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट हैं और 95 प्रतिशत मजदूर ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे जाते हैं। किरण उद्योग की दो फैक्ट्री दिल्ली में और एक-एक फैक्ट्री बेंगलुरू, पन्तनगर, बावल में भी हैं। अप्रैल में वरकरों की वार्षिक वेतन वृद्धि। इस वर्ष तनखा नहीं बढाई। वेतन वृद्धि के लिये मजदूरों ने काम बन्द किया तो एच आर वाले भागे आये और बोले कि मई में बढा देंगे। नहीं बढाई। मई में वरकरों द्वारा उत्पादन रोकने पर भागे-भागे आये एच आर वाले बोले कि जून में तनखा बढा देंगे। नहीं बढाई। प्रोडक्शन रोकने पर बोले कि जुलाई में बढा देंगे। जुलाई में काम बन्द करने पर बोले कि अगस्त में बढा देंगे। अगस्त में उत्पादन रोकने पर फिर भागते आये और बोले कि सितम्बर में बढा देंगे। मजदूरों ने सितम्बर में प्रोडक्शन रोका तब भागे-भागे आये एच आर वाले बोले कि तनखा अक्टूबर में बढा देंगे। तनखा में देरी पर भी वरकर काम बन्द कर देते हैं और एच आर वाले भागे-भागे आ कर अगले महीने से समय पर तनखा की बात करते हैं। इधर 27 अक्टूबर को प्लॉट 14 वाली फैक्ट्री में मजदूरों ने दो बार काम बन्द किया, सुबह पौने दस बजे और फिर दोपहर तीन बजे। आधा घण्टा, एक घण्टा उत्पादन रोक कर वरकर फिर काम शुरू कर देते हैं।

✶फरीदाबाद में **एस्कोर्ट्स फार्मट्रैक** फैक्ट्री में ठेकेदार कम्पनी के जरिये रखे सफाई कर्मियों को पिछले वर्ष दिवाली पर बोनस नहीं दिया था। इधर दिवाली से पहले, 24 अक्टूबर को बोनस के लिये सफाई कर्मियों ने काम बन्द किया। लेबर चौक से वरकर लाये गये पर उनसे ठीक से काम नहीं हुआ। एस्कोर्ट्स के उच्च अधिकारियों से बात करने के लिये ठेकेदार कम्पनी ने सफाई कर्मियों से दो दिन का समय माँगा।

✶गुड़गाँव में शंकर चौक के पास उद्योग विहार में **एल एण्ड टी** डी एल एफ की एक बिल्डिंग का निर्माण कर रही है। तीन वर्ष से काम जारी है। प्रतिदिन 12 घण्टे ड्युटी, रविवार को भी। तनखा फिक्स। ओवर टाइम के पैसे नहीं। सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन नहीं। दिल्ली में और इर्द-गिर्द कई स्थानों पर एल एण्ड टी कम्पनी ने कन्सट्रक्शन के ठेके लिये हैं। हर स्थान पर यही स्थिति। और, श्रम विभाग के लिये कम्पनी दूसरे कागज रखती है जिनमें सब कुछ कानून अनुसार दिखाती है। साइट पर काम समाप्त होते ही वरकरों का हिसाब कर दिया जाता है।

एल एण्ड टी की उद्योग विहार साइट पर मजदूरों द्वारा दो दिन काम बन्द करने पर कम्पनी ने अक्टूबर से दस प्रतिशत तनखा बढाई है। इधर अक्टूबर में 15 मजदूरों का हिसाब किया और हिसाब में कटौती की तो सब वरकरों ने हँगामा कर दिया। कम्पनी पीछे हटी। मिल जायेगा, मिल जायेगा कहते रहे हैं लेकिन तीन साल से दिवाली पर बोनस नहीं — 29 अक्टूबर को वरकरों ने फिर काम बन्द किया।

उल्टा पुल्टा

✶आई एम टी मानेसर में मारुति सुजुकी परिसर के अन्दर **बेलसोनिका ऑटो कम्पोनेन्ट्स** टेम्परेरी वरकर : ''29 अक्टूबर को हुये मैनेजमेन्ट-यूनियन के एक वर्ष वाले समझौते में परमानेन्ट मजदूरों की तनखा में 5900 रुपये की वृद्धि। लेकिन 750 टेम्परेरी वरकरों की तनखा नहीं बढाई, बस ई एल, सी एल। टेम्परेरी वरकरों ने लीडरों से कह दिया कि वो उनकी गेट मीटिंग में नहीं रुकेंगे। गेट मीटिंग नहीं हुई और नेताओं ने लाइनवाइज जा कर बताया।'' टेम्परेरी वरकरों की इन बातों पर परमानेन्ट मजदूर : '' वार्षिक वेज समझौते में स्थाई तथा अस्थाई, दोनों मजदूरों के वेतन में वृद्धि हुई है परन्तु यूनियन अस्थाई मजदूरों को परमानेन्ट करवाने में असफल रही जिसके कारण अस्थाई मजदूर निराश तथा परेशान हैं। अगर अन्य फैक्ट्रियों के स्तर पर तुलना की जाये तो समझौता सही है।''

✶21 अक्टूबर को जहांगीरपुरी में **दिल्ली जल बोर्ड** के सीवर की सफाई के लिये उतारे भुवन राय की दम घुटने से मृत्यु हो गई। प्रारम्भिक जाँच में सामने आया है कि भुवन को बिना किसी सुरक्षा उपकरण के ही सीवर में उतार दिया गया था। (हिन्दुस्तान 22.10.2018)

दिल्ली जल बोर्ड ने कहा कि जहांगीरपुरी पम्प हाउस की सीवर की सफाई के लिये नहीं बल्कि सीवर की मरम्मत के लिये दुमन रे सीवर में उतारे गये थे। दिल्ली जल बोर्ड के अनुसार प्रारम्भिक जाँच में पता चला है कि दुर्घटना के समय रे ने आवश्यक सुरक्षा उपकरण पहने थे। मामले की पूरी जाँच के लिये कमेटी गठित कर दी गई है। (हिन्दुस्तान 24.10.2018)

दिल्ली के मुख्य मुन्त्री दिल्ली जल बोर्ड के अध्यक्ष हैं।

दिल्ली जल बोर्ड सीवर सफाई वरकर : ''हमें 9600 रुपये का चेक देते थे। इधर चार महीने से चेक देने बन्द कर दिये हैं और 9000 रुपये नगद देने लगे हैं।''

आई एम टी मानेसर में एक फैक्ट्री है जिसमें कागज बेदाग रखने के लिये इस वर्ष प्रत्येक मजदूर को बोनय में 18-18 हजार रुपये के चेक दिये। और फिर मैनेजमेन्ट हर वरकर से 18 हजार रुपये कैश वापस लिया। फैक्ट्री का नाम क्या है?

✶ सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद दिल्ली में 1 नवम्बर 2018 से न्यूनतम वेतन :

अकुशल श्रमिक — 14000 रुपये
अर्ध-कुशल श्रमिक —15,400 रुपये
कुशल श्रमिक — 16,962 रुपये

✶ उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 1 अक्टूबर 2018 से निर्धारित न्यूनतम वेतन :

अकुशल श्रमिक — 7675 रुपये
अर्ध-कुशल श्रमिक — 8443 रुपये
कुशल श्रमिक — 9457 रुपये

हरियाणा में 1 जुलाई 2018 से न्यूनतम वेतन :

अकुशल श्रमिक 8540 रुपये मासिक
अर्ध-कुशल ब 9417 रुपये मासिक
कुशल ब 10,382 रुपये मासिक
उच्च कुशल श्रमिक 10,902 रुपये मासिक

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं सम्पादक शेर सिंह के लिए रौनिजा प्रिन्टर्स फरीदाबाद से मुद्रित किया। **RN 42233**
सौरभ लेजर टाइपसैटर्स, बी—551 नेहरु ग्राउंड, फरीदाबाद द्वारा टाइपसैट।